मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO
New Delhi on 10/11.05. 2021
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 57 अंक 06 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जून 2021 बहाई वर्ष : 177–78

विश्व न्याय मन्दिर

समुदाय–निर्माण के कार्य में गहनता आने के साथ–साथ, मित्रगण अपने आस–पास के समाज की दशाओं को बेहतर बनाने के लिए अपनी नव–विकसित क्षमताओं का उपयोग करने लगे हैं, इस कार्य में उनका उत्साह दिव्य शिक्षाओं के अध्ययन से संदीप्त होता है। अल्पकालिक प्रोजेक्टों की संख्या बहुत बढ़ी है, औपचारिक कार्यक्रमों के दायरे में विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि तथा अन्य क्षेत्रों में अब और भी अधिक बहाई–प्रेरित विकास संस्थाएं कार्यरत हैं।

–रिज़्वान 2018

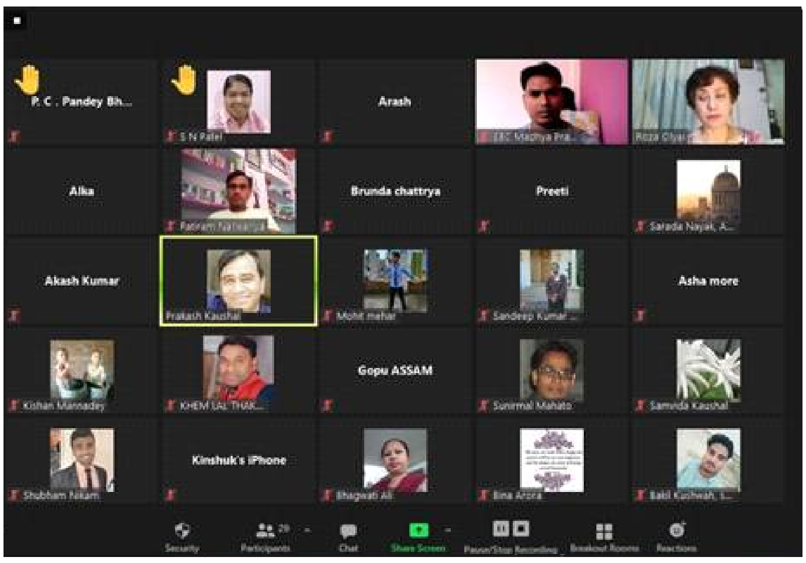
मध्य प्रदेश द्वारा कोरोना महामारी पर आयोजित एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम

राज्य बहाई परिषद मध्य प्रदेश द्वारा राज्य स्तर पर नियुक्त, कोरोना महामारी कार्यदल ने 23 मई 2021 को प्रदेश एवं अन्य मित्रों के लिए ऑनलाईन सुविधा के माध्यम से एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कोरोना वायरस से बचाव, कोरोना की वैक्सीन तथा ब्लैक फंगस क्या है और उससे कैसे बचा जा सकता है, जैसी महत्वपूर्ण जानकारी मित्रों तक पहुंचाने हेतु प्रदेश के अलग–अलग समुदायों के साथ अन्य राज्यों से भी मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सम्मानीय डॉक्टर इन्दौर क्षेत्र से श्री प्रकाश कौशल और ग्वालियर से श्रीमती रोजा ओल्याई एवं श्री नेसन ओल्याई उपस्थित रहे, जिनका मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

कार्यक्रम के दौरान मित्रों को कोरोना वायरस की पहली, दूसरी एवं तीसरी लहर के बारे में उचित जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही, वायरस के संक्रमण और उससे बचाव हेतु मित्रों को जागरुक किया गया।

इसके साथ ही डॉक्टरों द्वारा मित्रों को कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज एवं उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारियाँ प्रदान की गयीं और कार्यक्रम में उपस्थित मित्रों को जल्द–से–जल्द कोरोना वैक्सीन लगवाले के लिए प्रेरित किया गया। मित्रों को वर्तमान में तेजी से फैल रही ब्लैक फंगस की बीमारी के बारे में भी संबंधित जानकारियाँ प्रदान की गयी और उसके किस प्रकार अपने आप को सुरक्षित रखा जाये उसके लिए महत्वपूर्ण बिन्दुओं को मित्रों के साथ साझा किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम भाग में उपस्थित मित्रों के सभी प्रकार के प्रश्नों को बारी–बारी से सुना गया और सभी संबंधित डॉक्टरों द्वारा प्रश्नों से संबंधित उचित जानकारी प्रदान की गयी।



मध्य प्रदेश में आयोजित कोरोना महामारी से संबंधित प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले मित्रगण

इस अंक में

• मध्य प्रदेश द्वारा कोरोना महामारी पर आयोजित एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम 1
• झारखण्ड की गतिविधियाँ 1
• निधन 2
• राजस्थान में 50 जरूरतमंद परिवारों को खादय सामग्री वितरित 2
• दिल्ली कोविड सहायता, राहत और चिकित्सा आपातकालीन कार्यदल 3
• राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यगण 3
• मशरिकुल–अज़्कार की संस्था 4
• बहाई विवाह 4

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• कोरोना की दूसरी लहर के प्रभाव को देखते हुए झारखण्ड में इसके फैलाव को कम करने हेतु 5 मई 2021 को उच्च स्तरीय बैठक में राज्य स्तर पर छः मित्रों एवं 14 क्लस्टरों/समुदाय स्तर पर 55 मित्रों के कार्य बल का गठन किया गया, जिसका प्रमुख कार्य राज्य में महामारी से बचाव हेतु सम्बंधित जानकारी एवं सहायता प्रदान करना योजना, जीवन ज्योति जैसी योजनाओं के लाभ प्राप्त करवाने में मदद।

अभी वर्तमान में राज्य के लगभग 400 मित्रों तक इन संदर्भों में वार्तालाप शुरू हुई है तथा कई परिवारों ने मेडिकल किट एवं सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्ति हेतु भी प्रयास किये गए हैं। राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा सप्ताह



झारखण्ड में बाब का घोषणा दिवस मनाते हुए प्रतिभागी

है। वर्तमान में राज्य एवं क्लस्टर स्तरीय कार्य दल कुछ प्रमुख बिंदुओं पर कार्य कर रहे हैं–

1) कोरोना एवं इसके बचाव से संबंधित जागरुकता के क्षेत्र में। जिसमें–मास्क, सैनिटाइजर, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन, वैक्सीनेशन, इम्युनिटी को बढ़ाने, योगा/व्यायाम, स्वच्छता, प्रार्थना सभा इत्यादि।

2) दवाई के उपयोग एवं वितरण की दिशा में।

3) जरुरतमंदो को खाद्य सामग्री की उपलब्धता एवं सरकारी राशन कार्ड बनवाने की दिशा में।

4) सरकारी योजनाओं जैसे–आयुष्मान भारत कार्ड, अटल पेंशन

में दो दिन ऑनलाइन योगा क्लास से अधिक–से–अधिक मित्रों को निरोग रखने का प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक दो–तीन दिनों में राज्य एवं क्लस्टर स्तरीय टास्क फोर्स दल इन सभी प्रयासों की समीक्षा करते हुए योजना भी बनाती है।

• वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 22 मई की संध्या से 23 मई की संध्या तक राज्य के विभिन्न क्लस्टरों/समुदायों में दिव्यात्मा बाब का 177 वाँ घोषणा दिवस पारिवारिक एवं ऑनलाइन के माध्यम से मनाया गया। इस अवसर पर मित्रों ने दिव्यात्मा बाब की जीवनी को पुनः

शेष पृष्ठ 3 पर

● निधन

श्रीमती सुमन दास



हमें यह बताते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि इंदौर, मध्यप्रदेश की श्रीमती सुमन दास का कोरोना महामारी के कारण 1 मई, 2021 को निधन हो गया। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्रीमती अंगूरी खानुम



हमें यह बताते हुए बेहद खेद हो रहा है कि बिहार की वरिष्ठ बहाई श्रीमती अंगूरी खानुम 11 मई, 2021 को आभलोक में गमन कर गईं। श्रीमती अंगूरी खानुम स्वर्गीय शफी अहमद की पत्नी थीं जिनका 25 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया था। उन्होंने अपना पूर्ण जीवन प्रभुधर्म की सेवा में समर्पित कर दिया। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्रीमती आरती पटेल



हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि जयपुर की श्रीमती आरती पटेल का 1 मई, 2021 को आकस्मिक निधन हो गया। श्रीमती पटेल बहुत ही विनम्र स्वभाव, हंसमुख, स्वच्छ हृदय व प्रभुधर्म के प्रति सदैव सक्रिय रूप से कार्य करने वाली थीं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्री मोतीलाल सरोलिया



हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि अहवा–डांग, गुजरात के श्री मोतीलाल सरोलिया 9 अप्रैल 2021 को 75 वर्ष की आयु में आभा साम्राज्य में गमन कर गये। श्री सरोलिया गुजरात राज्य के आदिवासी जिले डांग के पहले पायनीयर थे और अपनी अंतिम सांस तक लगभग 52 वर्षों तक पायनीयर रहे।

उन्होंने 1973 में डांग क्षेत्र में प्रभुधर्म पहुंचाया और कई गांवों में बहाई समुदायों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहली स्थानीय आध्यात्मिक सभा की स्थापना 1973 में भिसिया–डांग में की गई थी। श्री मोतीलाल सरोलिया द्वारा प्रभुधर्म की राह में की गईं सेवाओं को सदैव स्मरण रखा जायेगा। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्रीमती सुनंदा दिनकर दुसाने

हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि नाशिक, महाराष्ट्र की श्रीमती सुनंदा दिनकर दुसाने का कोरोना महामारी के कारण 30 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुमारी ज्योति



हमें यह बताते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि तेखंड, दिल्ली की किशोरी ज्योति अल्पायु में 4 मई, 2021 को इस संसार से चली गई। उसने अपने किशोर दल में बहुत सक्रिय रूप में भाग लिया। वह अपनी दयालुता के लिए जानी जाती थी और समूह का हिस्सा बनना पसंद करती थी। वह दो महीने तक पीलिया से पीड़ित रही। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्रीमती सविता पासवान



हमें यह बताते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि ओखला फेस–2, दिल्ली की श्रीमती सविता पासवान का 16 मई 20121 को कोरोना के कारण निधन हो गया। बहाई गतिविधियों के लिए उनका द्वार हमेशा खुला रहता था। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

राजस्थान में 50 जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित

राजस्थान में राज्य बहाई परिषद की ओर से बुधवार को राजधानी जयपुर के टोल टेक्स, शिक्षा सागर, श्री राम की नांगल, जगतपुरा कच्ची बस्ती, सांगानेर, शास्त्री नगर में करीब 50 जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री के पैकेट देकर एक छोटी–सी मदद करने का प्रयास किया गया।

खाद्य सामग्री में 5 किलो आटा, 1 किलो चीनी, 1 किलो दाल, 1 किलो चावल, 1 किलो तेल, 1 किलो नमक, 100 ग्राम चाय, 100 ग्राम हल्दी, 100 ग्राम मिर्च व एक साबुन शामिल है।

राज्य बहाई परिषद् की अध्यक्ष ने बताया कि वास्तव में ये सामग्री ज्यादा दिनों तक उनकी पूर्ति तो नहीं कर पायेगी लेकिन निश्चित रूप से कोरोना वैश्विक महामारी के इस दौर में उन्हें कुछ राहत जरूर प्रदान करेगी। परिषद ने कोरोना के शुरूआती दौर से ही जरूरतमंदों के लिए होम्योपैथी की दवा, ऑक्सीजन सिलेंडर, खाद्य सामग्री के रूप में मदद करते हुए आमजन हेतु आध्यात्मिक व स्वास्थ्य को लेकर वर्चुअल कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते रहे हैं।

सहायक मंडल सदस्य ने बताया कि इमरजेंसी सेवाओं हेतु एक गाड़ी भी मौजूद है जो जरूरत पड़ने पर आमजन के लिए अस्पताल आने–जाने हेतु तैयार है। कोरोना महामारी के इस दौर में परिषद द्वारा एक 9 सदस्यीय महमारी कार्य दल का भी गठन किया गया है, जो इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन, स्वास्थ्य व अन्य जरूरतों को पूरा करने का भरसक प्रयास कर रही है।

दिल्ली कोविड सहायता, राहत और चिकित्सा आपातकालीन कार्यदल

दिल्ली में एक कार्य दल जिसे कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया है, यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है कि पर्याप्त चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति पड़ोस में मौजूद हो, कुछ पर आधारित बातचीत के माध्यम से वायरस के बारे में जागरूकता और बुनियादी ज्ञान बढ़ाने में संलग्न होने का प्रयास कर रहे हैं। उनके पास एक तैयार चिकित्सा उपकरण पैकेट भी है जिसमें पड़ोस की



दिल्ली का कार्य दल जरूरतमंदो की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए

जरूरी आवश्यकताएं जैसे–बच्चों और युवाओं की शिक्षा, भोजन या कोई अन्य आवश्यकता – संकट के इस समय में परिवारों को मिले। वे क्षेत्र शिक्षण समिति, क्लस्टर विकास फैसिलिटेटर और उनके सहायकों और प्रत्येक स्थानीय समुदाय में मौजूद एक टीम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

प्रत्येक समुदाय में नियमित फोन कॉल के माध्यम से सभी परिवारों तक पहुंचने, इन परिवारों के सामने आने वाली चिकित्सा या दैनिक जीविका जैसी चुनौतियों की पहचान करने, इन प्राप्त सूचनाओं को एक गुगल शीट में अपडेट करना ताकि हर रिकॉर्ड को ट्रैक और बनाए रखा जा सके। साथ ही कार्यदल को वार्तालाप में रखते हुए, डॉक्टर की चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सहायता की आवश्यकता वाले परिवारों को जोड़ने के लिए, डॉक्टर से दवा का पर्चा प्राप्त करने के लिए, फिर निर्धारित दवा तैयार करने और वितरित करने के लिए – तैयार मेडिकल किट से – उन परिवारों की देखभाल रखने तक जैसी व्यवस्था की गई है। इस कार्य रेखा के अलावा समुदाय के मित्र वैज्ञानिक प्रमाण और तथ्यों जरूरतों के अनुसार उपयोग किए जाने वाले बहुत आवश्यक आपूर्ति और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं।

कुल मिलाकर, परिवारों के समूहों के स्तर पर मित्रों के हार्दिक और केंद्रित संग्लन ने महामारी से उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने में कार्य दल के प्रयासों को बहुत आवश्यक संरचनात्मक स्थिरता प्रदान की है।

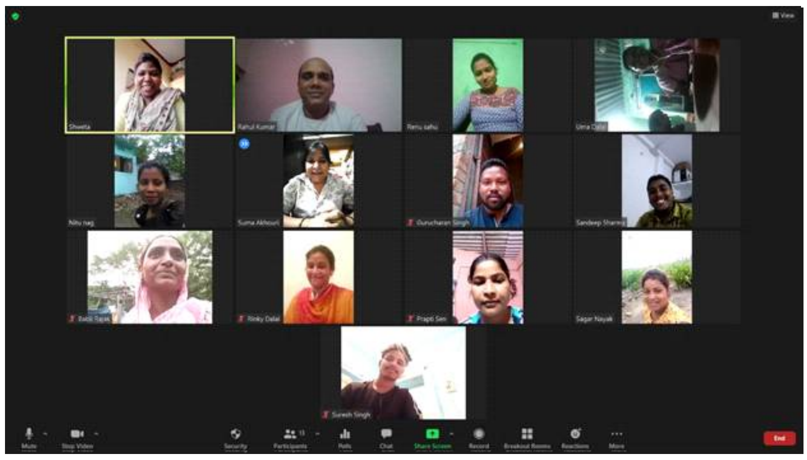
राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के मार्गदर्शन, सलाहकारों और सहायक मंडल के सदस्यों, दिल्ली के बहाईयों की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के माध्यम से महत्वपूर्ण चिकित्सा आपातकालीन उद्देश्यों के लिए एक अन्य कार्य दल नियुक्त किया है। उनकी मुख्य कार्य रेखा यह सुनिश्चित करना है कि जिन मित्रों को गहन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है – अस्पताल में भर्ती होना, वेंटिलेटर के साथ बिस्तर की व्यवस्था करना, यदि आवश्यक हो तो प्लाज्मा और रक्त की खोज करना, ऑक्सीजन आपूर्ति उपकरण के लिए सहायता प्रदान करना – जैसी आवश्यक सहायता प्राप्त करना।

झारखण्ड की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

याद करते हुए सभी के अच्छे स्वास्थ्य एवं इस महामारी को दूर करने हेतु प्रार्थना अर्पित की गयी। इस मौके पर कुछ मित्रों द्वारा बाब की लेखनी के कुछ अंशों के अध्ययन के साथ–साथ कुछ गीत संगीत की भी प्रस्तुति की गयी।

• 22 से 25 मई 2021 तक महाद्वीपीय सलाहकार की उपस्थिति में रिज़वान संदेश 2021 का अध्ययन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस बैठक में कुल 16 मित्रों ने भाग लिया, जिसमें परिषद सदस्य, प्रशिक्षण संस्थान सदस्य, सहायक मंडल सदस्य, राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी मित्र 230 क्षेत्रों में परिषद एवं प्रशिक्षण संस्थान मण्डल अपने कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। सन 2001 के बाद क्लस्टरों की अवधारणा एवं इसके विकास को समझने हेतु मील के पत्थरों की अवधारणा अस्तित्व में आयी। इंस्टिट्यूट फॉर स्टडी इन ग्लोबल प्रॉस्पेरिटी (आईएसजीपी) कार्यक्रम का 100 से भी अधिक देशों में कार्य करना। दान देने वालों की संख्या में वृद्धि, सन् 2005 में गठित हुई हुकुकुल्लाह की संस्था के 33 राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय न्यासियों द्वारा इसका प्रसार, स्थानीय उपासना गृहों का महत्व, बहाई साहित्यों का विकास, आगामी



रिज़वान संदेश का अध्ययन करने वाले मित्रगण

उपस्थित हुए। इस तीन दिवसीय बैठक में मित्रों ने रिज़वान संदेश की सहायता से 1996 से 2021 रिज़वान तक चली पच्चीस वर्षीय योजना की उपलब्धियों और चुनौतियों को क्रमिक रूप से समझा। साथ ही धर्म ने किस प्रकार प्रगति की है शुरू से अभी तक इसके हर एक पथ को जाना। रिज़वान सन्देश से जाना की लगभग योजनाओं की जानकारी एवं पवित्र भूमि में आगंतुकों की संख्या में निरंतर वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों के साथ बहाई इतिहास की झलकियाँ प्राप्त हुई।

अध्ययन के उपरांत ग्रुप ऑफ क्लस्टर के स्तर पर लगभग 300 स्थानीय मित्रो के साथ रिज़वान संदेश को पढ़ने की योजना भी बनाई गई।

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यगण

प्रिय मित्रों, वर्ष 2021–2022 में राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा में सेवा देने के लिए निम्नांकित सदस्य चुने गए हैं।

1. सुश्री नाज़नीन रौहानी
2. डॉ. ए. के. मर्चेन्ट
3. डॉ. नेसन ओल्याई
4. श्री लतीफ रशीद
5. डॉ. मंगेश तेली
6. डॉ. मयूरी मोहाजर
7. डॉ. आर. एस. यादव
8. डॉ. एलहाम मोहाजर
9. प्रो. अनिल सारवाल

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

मशरिकुल–अज़कार की संस्था

बहाउल्लाह और अब्दुल बहा के लेखों से चयनित अंशों, शोगी एफेन्दी के लेखों और विश्व न्याय मन्दिर के पत्रों का एक संकलन

विश्व न्याय मन्दिर के शोध प्रभाग द्वारा प्रस्तुत
सितंबर 2017

बहाउल्लाह के लेखों से

मशरिकुल–अज़कार के सम्बंध में उस 'अप्रतिबाधित की वाणी' ने यह बात कही थी। महिमान्वित हो उसकी शक्ति और उदात्त हो उसका साम्राज्य! उसका कहना हैः

"गुणगान करो तुम उसका जो विश्व की 'अभिलाषा' है कि उसने अपने धर्म की सेवा में तुझे संपुष्ट किया है। संसार के लोग उत्तेजित हैं, उपद्रव और विद्रोह व्याप्त हैं और सब 'उसके' प्रकाश को बुझाने उठ खड़े हुए हैं। किन्तु इसके बावजूद, तुम और और 'उसके' चुने हुए जन परमात्मा के उल्लेख और उसके स्मरण में सक्रिय रूप से निमग्न हो।

"इस भवन को अनन्त काल तक याद रखा जाएगा क्योंकि इसे उस एकमेव सत्य ईश्वर के नाम पर और उसके दिनों में खड़ा किया गया है, और उसे उसकी आज्ञा के आभूषण से अलंकृत किया गया है। वह जो कि 'अनन्त सत्य' है उससे याचना करो कि अपने धर्म की सेवा में वह प्रत्येक आत्मा को संपुष्टि प्रदान करे ताकि सब दृढ़ रह सकें और उसका अनुपालन कर सकें जो कि परमात्मा ने अपनी 'पुस्तक' में भेजा है।

"इस संसार की वस्तुएं कितनी व्यर्थ और क्षणभंगुर हैं! बहुत ही शीघ्र सब शून्य में लौट जाएंगे और केवल वही बचा रहेगा जिसे 'परम महान लेखनी' ने संकटों में सहायक, स्वयंजीवी, ईश्वर की आज्ञा से निर्दिश्ट किया है"

(एक पाती से – अरबी और फारसी से अनूदित) (5)

धन्य हैं वे जो उपासना मन्दिर के अन्दर स्वयं को 'उसके' स्मरण में निमग्न करते हैं जो सच्चरित्रों का प्रभु है! धन्य हैं वे जो इस 'मन्दिर' की सेवा के लिए उठ खड़े होते हैं! धन्य हैं वे जिन्होंने इस 'मन्दिर' को तैयार किया है! वे शांति और उत्कंठा की अवस्था में उसमें प्रवेश करते हैं और बड़ी अनिच्छा और पछतावे के साथ उस स्थान को छोड़कर निकलते हैं। ईश्वर से, अपरिमित रूप से महान है वह – वह जो हमारा प्रभु और तुम्हारा प्रभु है – हम याचना करते हैं कि वह दृश्य और अदृश्य दोनों ही साधनों से तुम्हारी सहायता करे, और तुम्हारे लिए वह सुनिर्दिष्ट करे जो तबतक बना रहे जबतक कि उसका नाम बना रहेगा – वह नाम जो अन्य सभी नामों को आच्छादित करता है। 'उसके' सिवा अन्य कोई ईश्वर नहीं है – सदा क्षमाशील, सर्वदयालु।

(एक पाती से – अरबी और फारसी से अनूदित) (6)

क्रमशः

बहाई विवाह



भोपाल समुदाय की कुमारी अश्विनी निकम और महाराष्ट्र में धुले के श्री मोहन चित्ते का विवाह 8 मई, 2021 को स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा भोपाल के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार संम्पन हुआ।



गुजरात के श्री निखिल पूनावाला और कोच्चि, केरल की सुश्री गायत्री पिल्लई का विवाह 14 जनवरी, 2021 को बहाई विधिविधान के अनुसार कोच्चि में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अहमदाबाद और कोच्चि स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।



मध्य प्रदेश में नीमच के श्री शुभम प्रजापति का विवाह 3 मई, 2021 को धार की सुश्री अंजू के साथ बहाई विधिविधान के साथ सम्पन्न हुआ।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO New Delhi on 10/11.06. 2021
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)